Today's Poem – 15.07.2014

परिवर्तन करनी है क्रिमिनल आई

रहना है बाप समान समझ भाई-भाई

अपने कैरेक्टर्स का रजिस्टर रखना

उसमें अपना पोतामेल नोट करते रहना

अपनी खामियां निकालते रहना

सदा एक बाप की याद में रहना

किसी भी चीज़ में ममत्व नहीं रखना

काल सिर पर खड़ा है, शुभ काम में देरी नहीं करना

कल पर नहीं छोड़ना

अज्ञान की शक्ति क्रोध है

ज्ञान की शक्ति शान्ति है

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!